Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

हवा की तरह गुजर जाएगी रैपिड मेट्रो

13 Dec 2010, 0400 hrs IST

वरिष्ठ संवाददाता ॥ गुड़गांव

सिकंदरपुर से एनएच-8 के बीच चलने वाली गुड़गांव की प्राइवेट रैपिड मेट्रो बिना आवाज किए हवा की तरह निकल जाएगी। ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए मेट्रो ट्रैक के दोनों तरफ बफल वॉल बनाई जाएगी। मौजूदा मेट्रो की घटनाओं से सबक लेते हुए इसमें ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि गलती या जानबूझ कर भी कोई ट्रैक पर न गिरे। इसके लिए प्लैटफॉर्म पर स्पेशल स्क्रीनिंग डोर लगाए जाएंगे। ट्रैक पर लगे दो स्पेशल रबर इनके कंपन को काफी कम कर देंगे।

प्राइवेट मेट्रो 2013 में शुरू होने की उम्मीद है। इससे गुडगांव को कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इसे ईको फ्रेंडली बनाने के लिए युनाइटेड नेशन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसी) और मिनिस्ट्री ऑफ एन्वॉयरमेंट एंड फॉरेस्ट (एमईएफ) ने भी पंजीकृत कर लिया है। रैपिड मेट्रो के सर्वे के अनुसार, इसके शुरू होने के पहले साल इसमें प्रतिदिन 1.5 लाख यात्री सफर कर सकेंगे।

केंद्र को सौंपी अपनी रिपोर्ट में मेट्रो ने तर्क दिया है कि मेट्रो की अपेक्षा कार दोगुनी कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित करती है। आरएमजीएल के मीडिया हेड सर्वेश तिवारी का कहना है कि कंपनी पूरी तरह एनवायरनमेंट फ्रेंडली तकनीक पर काम कर रही है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहद कम प्रदूषण में बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा देना है।

प्रदूषण नियंत्रण पर खास ध्यान

एसपीएम (सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर) को कम करने के लिए रैपिड मेट्रो कंस्ट्रक्शन क्षेत्र पर डस्ट स्क्रीन और होर्डिंग लगाए जाएंगे। कंस्ट्रक्शन साइट पर बैरियर, बैरिकेड्स, फुलहाइट फेंसिस लगाकर अभी से इस पर कंट्रोल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कंस्ट्रक्शन साइट से बाहर आने वाले ट्रक और अन्य वाहनों के पहिए पहले धोए जाएंगे ताकि वह शहर को गंदा न करें।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट

कंस्ट्रक्शन के दौरान उत्पन्न होने वाले सॉलिड वेस्ट के लिए ऑथराइज्ड रिसाइकल करने वालों से करार हो चुका है। अस्थायी स्टोरेज के लिए साइट पर कुछ जगह बनाई गई है।

वॉटर मैनेजमेंट

कंस्ट्रक्शन साइट पर वेस्ट वॉटर को कंस्ट्रक्टर वॉटर बॉडी तक ले जाएंगे। कंस्ट्रक्शन साइट पर डीवॉटरिंग सिस्टम के जरिए इस्तेमाल पानी को दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा। सभी साइट पर अस्थायी ड्रेनेज सिस्टम बनाए जा रहे हैं ताकि पानी साइट या आसपास के क्षेत्रों में जमा न हो।

एयर क्वॉलिटी कंट्रोल

साइट पर एंबियंट एयर क्वॉलिटी सिस्टम लगाया जाएगा। इसके जरिए साइट पर हर समय प्रदूषण के मानक पता चल सकेंगे। इससे साइट पर कंस्ट्रक्शन के दौरान एसपीएम , सल्फर डायऑक्साइड और नाइट्रोजन डायऑक्साइड पर नजर रखी जा सकेगी।

बॉक्स के लिए

रूट की लंबाई 5 किमी

कुल स्टेशन 6

कुल लागत 1088 करोड़

प्लैटफॉर्म की लंबाई 75 मीटर

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2010 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768